

पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर -11, चंडीगढ़
हिन्दी विभाग: (रिपोर्ट 2024-25)

क्रमांक	गतिविधियाँ	आयोजन दिनांक	पृष्ठ संख्या
1	राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 2024	12.09.2024	1-2
2	‘हिंदी और संस्कृत कहानियों में नैतिक मूल्य पर व्याख्यान	26 .10 .2024	3
3	कार्यशाला	11 जनवरी 2025	4-5

प्रथम कार्यक्रम: हिन्दी दिवस 2024

‘राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 2024’ पर हिंदी विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर -11, चंडीगढ़ की ओर से ‘हिंदी दिवस समारोह’ का आयोजन दिनांक 12.09.2024 को कक्ष संख्या-34 में 11:15 बजे लेकर 2:00 बजे किया गया। समारोह में ‘जनभाषा हिंदी’ पर व्याख्यान और ‘अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं’ का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. अशोक कुमार सभरवाल, अध्यक्ष: हिन्दी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, विशिष्ट अतिथि डा. अनीता खोसला, पूर्व अध्यक्ष: हिन्दी विभाग, जी.सी.जी.-11 और प्राचार्य प्रो. अनीता कौशल ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण द्वारा किया। प्रो. अशोक कुमार सभरवाल ने अपने उद्बोधन में हिंदी भाषा की मूल शक्ति, उसके संस्कारों और भारतीय जन-जीवन के जुड़ाव को विभिन्न उदाहरणों से समझाया और कहा कि हिंदी मात्र एक भाषा नहीं है, वह हमारी मातृभाषा है जिसे हमें मां जैसा प्यार मिलता है। हमें हमारी मातृभाषा की जड़ों से कभी नहीं कटना चाहिए अपितु उसकी जड़ों

को सींचते रहना चाहिए । हिंदी को व्यावहारिकता में लाकर हम इसे संवैधानिक भाषा बना सकते हैं ।

हिंदी समारोह में आयोजित विभिन्न अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं – कविता/भजन गायन, सुष्ठु हिन्दी लेखन, आशु भाषण आदिके विजेताओं को मुख्य अतिथि प्रो. अशोक कुमार सभरवाल, डा. अनीता खोसला और प्राचार्य प्रो. अनिता कौशल ने प्रमाण- पत्र तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में 215 विद्यार्थी उपस्थित थे ।

‘हिंदी दिवस समारोह’ के फोटो



द्वितीय कार्यक्रम : व्याख्यान रिपोर्ट 2024

हिंदी विभाग और संस्कृत विभाग , पोस्ट ग्रेजुएट गववर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स,सेक्टर -11, चंडीगढ़ की ओर से 'हिंदी और संस्कृत कहानियों में नैतिक मूल्य'विषय पर दिनांक **26 .10 .2024** को कक्ष सख्या-210 में 11 से 12 .00 बजे के बीच व्याख्यान का आयोजन किया गया । समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वर जे. पवार, अध्यक्ष: हिन्दी विभाग एवं निदेशक-पी.जी. स्टडीज एवं रिसर्चसेंटर,सी. टी. बोरा कॉलेज,शिरूर,पुणे और अतिथि प्रो. अशोक कुमार सभरवाल अध्यक्ष:हिन्दी विभाग, ,पंजाब विश्वविद्यालय,चंडीगढ़ थे । प्रो. ईश्वर जे. पवार ने अपने उद्बोधन में हिंदी की 'एक टोकरी भर मिट्टी,कफन,आंसुओं की होली,चीफ की दावत,अकेली,वापसी' जैसी सुप्रसिद्ध कहानियों और संस्कृत की 'कथा सरितसागर,पंचतंत्र,अष्टवक्र,विक्रम बेताल' आदिग्रंथों में संग्रहीत नैतिक कहानियों के उदाहरण देते हुए जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व बताया और कहा कि हमारा नैतिक-चरित्र बल ही हमारी श्रेष्ठ पूंजी है,जिसे हमें संजोकर रखना है और भविष्य की पीढ़ी को हस्तांतरित करना है । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता को डा. मोहन लाल जाट द्वारा लिखित 'मेवाड़ हूँ मैं'पुस्तक भेंट की गई । इस अवसर पर डा. अम्बुज शर्मा,डा. चन्दन लाल गुप्ता, डा. कमाल कृष्ण,डा. मीना रानी आदिसंकाय सदस्य

उपस्थित रहे । कार्यक्रम में 85 विद्यार्थी उपस्थित थे । डा. चन्दन लाल गुप्ता ने अतिथियों, वक्ता, प्राचार्य और सभी श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया ।



तृतीय कार्यक्रम: कार्यशाला

पी.जी.जी.सी.जी.-11, महाविद्यालय चण्डीगढ़ में 11 जनवरी 2025 को सभागार में हिन्दी, संस्कृत, दर्शनशास्त्र विभाग के पारस्परिक सहयोग से 'विश्व हिंदी दिवस' के विशेष उपलक्ष्य पर "प्रकृतिरक्षा में साहित्य, जलवायु परिवर्तन का स्त्रीसमाज पर प्रभाव" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से 'शुरुआत समिति : करनाल, हरियाणा' की पहल पर आधारित था । मुख्य अतिथि डॉ. राजेशप्रसाद, क्षेत्रीय प्रबन्धक, पीएनबी चण्डीगढ़, मुख्य वक्ता प्रो.(डॉ.) सुधा सिंह, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय का विधिवत् रूप से पुष्पगुच्छ देकर और शाल व पुस्तकोपहार भेंट करते हुए स्वागत किया गया । कार्यक्रम का मुख्य ध्येय शोधकर्ताओं एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु वित्तीय जागरूकता शिविरका अप्रीतम उपक्रम

था। यह कार्यक्रम तीन सत्रों पर केन्द्रित रहा। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. सुधा सिंह ने अपना वक्तव्य में कहा कि स्त्रीवादी दृष्टि से तार्किक शास्त्र सशक्त हो चुका है। स्त्री केंद्र में होने के कारण ही आधुनिक नवजागरण अधिक विकसित हुआ। पर्यावरण पर गहराता संकट पर स्त्रियों के योगदान पर बहुलता से प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ सुधा तिवारी ने 'इको फेमिनिज्म' की पृष्ठभूमि पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीं। इसके बाद द्वितीय सत्र में डॉ राजेशप्रसाद ने हिन्दी भाषा और उसकी संस्कृतिके आर्थिक संवर्द्धन हेतु बैंकिंगका मेहतनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद तीसरा सत्र में पृथक्-पृथक् महाविद्यालयों से आए हुए विद्यार्थियों ने प्रकृतिरक्षा से संबंधित कविताओं का पाठ किया और पोस्टर मेकिंग में भाग लिया तथा शुरुआत समिति करनाल के विद्यार्थियों ने पी.एन.बी. के आर्थिक सहयोग से तैयार की गई लघु नाटिका के साथ संगीतमयी प्रस्तुतियाँ भी दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मोहन लाल जाट ने करते हुए कहा कि आज के विचार-विमर्शने यह स्पष्ट कर दिया है कि साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि एक माध्यम है जो प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों को समझने और निभाने की प्रेरणा देता है। समापन सत्र में पुरस्कार वितरण सभी प्रतिभागियों को पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन की भूमिका डॉ. अम्बुज शर्मा ने बखूबी निभायी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान प्रोगुनीता चड्ढा, प्रो मंजीत धवन, प्रो मोना सिंह, प्रो साधना वर्मा, डॉ मीना, डॉ कमल कृष्ण, डॉ संगम वर्मा आदि सहित 120 विद्यार्थी मौजूद रहे।

